

नाबार्ड के जिला विकास प्रबन्धक चित्तोडगढ पंकज यादव ने वाड़ी परियोजना अन्तर्गत किये गए कार्यों का निरीक्षण
स्वयं सहायता समुह की महिलाओ को उन्नत चुल्हे वितरित

बांसवाडा 28.02.2015

नाबार्ड के जिला विकास प्रबन्धक चित्तोडगढ पंकज यादव ने जिले मे ग्रामीण विकास ट्रस्ट द्वारा संचालित वाड़ी विकास कार्यक्रमो का अवलोकन किया गया। पंकज यादव ने जिले के नानी का सात व डुगरीपाडा गांवो मे किसानो द्वारा लगाई गई वाड़ी योजना अंतर्गत फलदार पौधा, वाणिकी पौधो की वाड़ीया देखी तथा किसानो से रूबरू होकर वास्तविक स्थिति का पता किया। इसके साथ परियोजना अंतर्गत किये गये जल संरक्षण, फसल सुधार कार्यक्रमो आदि कार्यों का अवलोकन किया। नानीकासात गांव के किसानो कुरा भाई एवं हिरा भाई ने बताया कि दो साल पूर्व इस दो बीधा जमीन पर हम केवल मक्का की फसल लेते थे हमने नाबार्ड वाड़ी परियोजना की मदद से जल प्रबंधन कार्य किये तथा अनार व नींबु की वाड़ी लगाई जिसमें वर्तमान में 80 पौधे जीवित है तथा इस जमीन पर हम सब्जी की खेती कर रहे है। जिससे हमे 45000 की आमदनी हुई इसी प्रकार डुगरीपाडा के किसान सोहन व शंकर आदी ने अपनी वाड़ी परियोजना के अनुभव बताये।

इससे पश्चात डुगरीपाडा मे स्वयं सहायता समुह की महिलाओ का जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया जिसमे यादव ने कहा कि महिलाए स्वयं सहायता समुह से जुडकर आय उत्पादन गतिविधियो से जुडकर परिवार की आर्थिक स्थिति मजबुत कर सकती है।

इस अवसर पर ट्रस्ट के जिला कार्यक्रम प्रबन्धक दुर्गेश त्रिपाठी ने कहा कि विकास की मुख्य धारा से जुडकर जनजाति भाईयों का विकास संभव है, यदि हम स्वयं आगे बढ़कर जागरूक होकर सरकार व नाबार्ड की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओ से जुड़े तथा ज्ञान योग्य बातें समझकर अपने जीवन में अमल करना करे तो हम विकास के पथ पर अग्रसर हो सकते है।

इस अवसर पर ग्रामीण विकास ट्रस्ट के जिला कार्यक्रम प्रबंधक हरेन्द्र कुमार तोमर ने अतिथियो एवं किसानो का स्वगत करते हुए बताया कि ग्रामीण विकास ट्रस्ट विगत 17 वर्षो से भारत वर्ष के 7 राज्यो मे जनजाति विकास कार्यक्रम संचालित कर रही है। बांसवाडा मे संस्था द्वारा वर्तमान मे नाबार्ड द्वारा अनुदानित वाड़ी विकास कार्यक्रम व जल ग्रहण विकास कार्यक्रम संचालित किये जा रहे है। तोमर ने कहा कि आत्मनिर्भरता के लिये महिला समूह से जुडकर विभिन्न आय अर्जीत गतिविधियो को अपना कर अपने परिवार की आर्थिक स्थिती को सुदृढ़ कर विकसित राष्ट्र के सपने को साकार करना होगा।

इस अवसर पर नरेन्द्र नागर, अनिल जैन ,शंकर आदि उपस्थित हुए ।

एच.के .तोमर
ग्रामीण विकास ट्रस्ट बांसवाडा

Media Coverage

दैनिक नवज्योति

4 अक्टूबर 1 मार्च 2015 रविवार वांसवाड़ा-डूंगरपुर 71

वांसवाड़ा। जमीन विकास ट्रस्ट द्वारा संचालित वाड़ी विकास परियोजना का अवलोकन करते एवं दूसरे क्षेत्र में महिलाओं को गैस चूल्हे वितरित करते विरौडगढ़ नाबाई के जिला विकास प्रबन्धक पंकज चाटव।

स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को उन्नत चूल्हे वितरित वाड़ी परियोजना के कार्यों का किया निरीक्षण

नवज्योति, नवज्योति, वांसवाड़ा

विरौडगढ़ नाबाई के जिला विकास प्रबन्धक पंकज चाटव ने जिले में ग्रामीण विकास ट्रस्ट द्वारा संचालित वाड़ी विकास कार्यक्रमों का अवलोकन किया। पंकज चाटव ने जिले के जमीन का मात व डूंगरीवाड़ा गाँवों में किसानों द्वारा लगाई गई वाड़ी योजना के अंतर्गत फलदार फेंचे तथा खसिया फेंचे को वाड़ी देखा तथा किसानों से रुबन टोकर वास्तविक स्थिति का पता किया। इसके साथ परियोजना अंतर्गत किये गये जल संरक्षण, फसल सुरक्षा कार्यक्रमों अंतर्गत किये गए भी अवलोकन किया। जमीन का मात व विकास कार्यों काई एवं हीरा चाई ने बताया कि दो साल पूर्व इस दो बीघा जमीन पर वाड केवल मकान की फनसा ही भेरे थे, लेकिन नाबाई वाड़ी परियोजना को मदद

से जल प्रबंधन कार्य किये तथा अनार व नींबू की वाड़ी लगाई, जिसमें वर्तमान में 80 फेंचे जीवित है तथा इस जमीन पर अब वे सब्जी की खेती भी कर रहे हैं, जिससे उन्हें 45000 की आमदनी हुई। इसी प्रकार डूंगरीवाड़ा के किसान सोहन व शंकर आदी ने अपनी वाड़ी परियोजना के अनुभव बताये। इससे पता चला डूंगरीवाड़ा में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं का जागरूकता विविध का आयोजन किया गया, जिसमें चाटव ने कहा कि महिलाएं स्वयं सहायता समूह से जुड़ कर अब उत्पादन गतिविधियों में जुड़कर परिवार को आर्थिक स्थिति मजबूत कर सकती हैं। इस अवसर पर ट्रस्ट के जिला कार्यक्रम प्रबन्धक दुर्गा विपाठी ने कहा कि विकास को मुख्य धारा में जुड़ कर ही जनजाति बाँवों का विकास संभव है, यदि हम स्वयं

आगे बढ़कर जागरूक होकर सरकार व नाबाई की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से जुड़े तथा ज्ञान योग्य बाँवें समझकर अपने जीवन में अमल करें, तो हम विकास के पथ पर अग्रसर हो सकते हैं। इस अवसर पर ग्रामीण विकास ट्रस्ट के जिला कार्यक्रम प्रबंधक हेमन्त कुमार तोमर ने आतिथियों एवं किसानों का स्वागत करते हुए बताया कि ग्रामीण विकास ट्रस्ट वित्त 17 वर्षों से भारत वर्ष के 7 राज्यों में जनजाति विकास कार्यक्रम संचालित कर रही है। वांसवाड़ा में संस्था द्वारा वर्तमान में नाबाई द्वारा अनुदानित वाड़ी विकास कार्यक्रम व जल प्रणय विकास कार्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं। इस अवसर पर नरेन्द्र नागर, अनिल जैन, शंकर आदि उपस्थित हुए। शिविर में महिलाओं को 50 उन्नत चूल्हे वितरित किये गए।

वाड़ी विकास कार्यों का लिया जायजा

वांसवाड़ा। जिले में जमीन विकास ट्रस्ट की ओर से संचालित वाड़ी विकास कार्यक्रमों का अवलोकन कर नाबाई जिला विकास प्रबन्धक पंकज चाटव ने अवलोकन किया। ट्रस्ट के कार्यक्रमों पर बताया कि इस योजना अंतर्गत जमीन का मात व डूंगरीवाड़ा गाँवों में वाड़ी योजना अंतर्गत किसानों की ओर से लगाए गए फलदार व खसिया फेंचे को वाड़ी देखा। इसके साथ परियोजना अंतर्गत किये गये जल संरक्षण, फसल सुरक्षा कार्यक्रमों अंतर्गत किये गये भी अवलोकन किया। जमीन का मात व विकास कार्यों काई एवं हीरा चाई ने बताया कि दो साल पूर्व इस दो बीघा जमीन पर वाड केवल मकान की फनसा ही भेरे थे, लेकिन नाबाई वाड़ी परियोजना को मदद से जल प्रबंधन कार्य किये तथा अनार व नींबू की वाड़ी लगाई, जिसमें वर्तमान में 80 फेंचे जीवित है तथा इस जमीन पर अब वे सब्जी की खेती भी कर रहे हैं, जिससे उन्हें 45000 की आमदनी हुई। इसी प्रकार डूंगरीवाड़ा के किसान सोहन व शंकर आदी ने अपनी वाड़ी परियोजना के अनुभव बताये। इससे पता चला डूंगरीवाड़ा में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं का जागरूकता विविध का आयोजन किया गया, जिसमें चाटव ने कहा कि महिलाएं स्वयं सहायता समूह से जुड़ कर अब उत्पादन गतिविधियों में जुड़कर परिवार को आर्थिक स्थिति मजबूत कर सकती हैं। इस अवसर पर ट्रस्ट के जिला कार्यक्रम प्रबन्धक दुर्गा विपाठी ने कहा कि विकास को मुख्य धारा में जुड़ कर ही जनजाति बाँवों का विकास संभव है, यदि हम स्वयं आगे बढ़कर जागरूक होकर सरकार व नाबाई की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से जुड़े तथा ज्ञान योग्य बाँवें समझकर अपने जीवन में अमल करें, तो हम विकास के पथ पर अग्रसर हो सकते हैं। इस अवसर पर ग्रामीण विकास ट्रस्ट के जिला कार्यक्रम प्रबंधक हेमन्त कुमार तोमर ने आतिथियों एवं किसानों का स्वागत करते हुए बताया कि ग्रामीण विकास ट्रस्ट वित्त 17 वर्षों से भारत वर्ष के 7 राज्यों में जनजाति विकास कार्यक्रम संचालित कर रही है। वांसवाड़ा में संस्था द्वारा वर्तमान में नाबाई द्वारा अनुदानित वाड़ी विकास कार्यक्रम व जल प्रणय विकास कार्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं। इस अवसर पर नरेन्द्र नागर, अनिल जैन, शंकर आदि उपस्थित हुए। शिविर में महिलाओं को 50 उन्नत चूल्हे वितरित किये गए।

राजस्थान पत्रिका
वांसवाड़ा, रविवार, 01 मार्च 2015

दैनिक भास्कर
वांसवाड़ा, सोमवार 2 मार्च, 2015

नाबाई के अधिकारियों ने वाड़ी परियोजना के कार्यों का निरीक्षण किया

वांसवाड़ा। नाबाई के विरौडगढ़ जिला विकास प्रबंधक पंकज चाटव ने जिले में ग्रामीण विकास ट्रस्ट द्वारा संचालित वाड़ी विकास कार्यक्रमों का निरीक्षण किया। चाटव ने जमीन का मात व डूंगरीवाड़ा में किसानों द्वारा लगाई गई फलदार फेंचे को वाड़ी देखा। किसानों से वास्तविक स्थिति का पता किया। इसके साथ परियोजना अंतर्गत किये गये जल संरक्षण, फसल सुरक्षा कार्यक्रमों अंतर्गत किये गये भी अवलोकन किया। जमीन का मात व विकास कार्यों काई एवं हीरा चाई ने बताया कि दो साल पूर्व इस दो बीघा जमीन पर वाड केवल मकान की फनसा ही भेरे थे, लेकिन नाबाई वाड़ी परियोजना को मदद से जल प्रबंधन कार्य किये तथा अनार व नींबू की वाड़ी लगाई, जिसमें वर्तमान में 80 फेंचे जीवित है तथा इस जमीन पर अब वे सब्जी की खेती भी कर रहे हैं, जिससे उन्हें 45000 की आमदनी हुई। इसी प्रकार डूंगरीवाड़ा के किसान सोहन व शंकर आदी ने अपनी वाड़ी परियोजना के अनुभव बताये। इससे पता चला डूंगरीवाड़ा में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं का जागरूकता विविध का आयोजन किया गया, जिसमें चाटव ने कहा कि महिलाएं स्वयं सहायता समूह से जुड़ कर अब उत्पादन गतिविधियों में जुड़कर परिवार को आर्थिक स्थिति मजबूत कर सकती हैं। इस अवसर पर ट्रस्ट के जिला कार्यक्रम प्रबन्धक दुर्गा विपाठी ने कहा कि विकास को मुख्य धारा में जुड़ कर ही जनजाति बाँवों का विकास संभव है, यदि हम स्वयं आगे बढ़कर जागरूक होकर सरकार व नाबाई की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से जुड़े तथा ज्ञान योग्य बाँवें समझकर अपने जीवन में अमल करें, तो हम विकास के पथ पर अग्रसर हो सकते हैं। इस अवसर पर ग्रामीण विकास ट्रस्ट के जिला कार्यक्रम प्रबंधक हेमन्त कुमार तोमर ने आतिथियों एवं किसानों का स्वागत करते हुए बताया कि ग्रामीण विकास ट्रस्ट वित्त 17 वर्षों से भारत वर्ष के 7 राज्यों में जनजाति विकास कार्यक्रम संचालित कर रही है। वांसवाड़ा में संस्था द्वारा वर्तमान में नाबाई द्वारा अनुदानित वाड़ी विकास कार्यक्रम व जल प्रणय विकास कार्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं। इस अवसर पर नरेन्द्र नागर, अनिल जैन, शंकर आदि उपस्थित हुए। शिविर में महिलाओं को 50 उन्नत चूल्हे वितरित किये गए।

902 82881 200000



नाबार्ड के जिला विकास प्रबन्धक यादव ने वाड़ी परियोजना के कार्यों का किया निरीक्षण स्वयं सहायता समुह की महिलाओं को उन्नत चुल्हे वितरित किए

बांसवाड़ा। नाबार्ड के जिला विकास प्रबन्धक चित्तोजाब फंकाज यादव ने जिले में ग्रामीण विकास ट्रस्ट द्वारा संचालित वाड़ी विकास कार्यक्रमों का अवलोकन किया। यादव ने जिले के नली का सत व डुरीपाड़ा गांवों में किसानों द्वारा लगाई गई बाड़ी योजना अंतर्गत फसल रोपे, बाँधकी रोपों को वाड़ीयक देखी तथा किसानों से कलक होकर सार्वजनिक स्थिति में अवगत हुए। साथ ही परियोजना अंतर्गत किये गये जल संकलन, फसल सुधार कार्यक्रमों आदि कार्यों का

अवलोकन किया। नली का सत गाँव के किसान कुरु भाई एवं शिव भाई ने बताया कि दो साल पूर्व इस दो बीघा जमीन पर हम केवल मकई को फसल लेते थे हमने नाबार्ड वाड़ी परियोजना की मदद से जल प्रबन्धन कार्य किये तथा अबार व नींबू की बाड़ी लगाई जिसमें वर्तमान में 80 पीघे जोड़ित है तथा इस जमीन पर हम सब्जियों को खेती कर रहे हैं। जिससे हमें 45000 की आमदनी हुई। इसी प्रकार डुरीपाड़ा के किसान सोहन व शंकर आदी ने अपनी वाड़ी परियोजना के

अनुभव बताये।

जागरूकता शिविर आयोजित

बांसवाड़ा। डुरीपाड़ा में स्वयं सहायता समुह की महिलाओं का जागरूकता शिविर आयोजित किया गया जिसमें यादव ने कहा कि महिलाएं स्वयं सहायता समुह से जुड़कर आज उत्पादन गतिविधियों से जुड़कर परिवार को आर्थिक स्थिति मजबूत कर सकती हैं।

इस अवसर पर ट्रस्ट के जिला कार्यक्रम प्रबन्धक दुर्गाता त्रिपाठी ने कहा कि विकास की मुख्य धारा से जुड़कर जनजाति भाईयों का विकास संभव है, यदि हम स्वयं आगे बढ़कर जागरूक होकर सरकार व नाबार्ड की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से जुड़े तथा ज्ञान योग्य भाँते समझकर अपने जीवन में अमल करना करें तो हम विकास के पथ पर अग्रसर हो सकते हैं।

इस अवसर पर ग्रामीण विकास ट्रस्ट के जिला कार्यक्रम प्रबन्धक होन्ड कुमार तोंबर ने

अतिथियों एवं किसानों का स्वागत करते हुए बताया कि ग्रामीण विकास ट्रस्ट विगत 17 वर्षों से भारत वर्ष के 7 राज्यों में जनजाति विकास कार्यक्रम संचालित कर रही है। बांसवाड़ा में संस्था द्वारा वर्तमान में 'बाड़ी' द्वारा अनुदानित वाड़ी विकास कार्यक्रम व जल सहाय विकास कार्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं। इस अवसर पर मोहन नगर, अर्जेंट नैन, रंजन आदि जयस्थित हुए। शिविर में महिलाओं का 50 उन्नत चुल्हे वितरित किये गए।

Glimpses of the Event

